ओडीओपी उद्यमियों को तकनीकी प्रशिक्षण दिलाएगी सरकार

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत सहगल ने बुधवार को स्टेट एकेडमी इंस्टीट्यूशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

अमर उजाला ब्यूरो

नवनीत सहगल ने कहा प्रशिक्षण के लिए तकनीकी शिक्षण संस्थाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी

लखनऊ। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत सहगल ने कहा है कि एक जिला-एक उत्पाद योजना के उद्यमियों को सस्ती और बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। सहगल ने कहा कि तकनीकी शिक्षण संस्थाएं इसमें महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती हैं। सरकार संस्थाओं को वित्तीय सहायता भी देगी।

निर्यात प्रोत्साहन भवन में बुधवार को स्टेट एकेडमी इंस्टीट्यूशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में सहगल ने कहा कि तकनीकी शिक्षण संस्थाओं को प्रशिक्षित मानव संसाधन और कुशल तकनीकी विशेषज्ञ तैयार करने के लिए अपने पाठ्यक्रम में बदलाव करना चाहिए। ओडीओपी के इस कार्य को शिक्षण संस्थाएं अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक रणनीति बनाकर कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि संस्थाएं अपने विद्यार्थियों को ओडीओपी में इंटर्नशिप से जोड़ सकती हैं। ओडीओपी के उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ मार्केटिंग और ब्रांडिंग में भी सहयोग कर सकती है। इसके अतिरिक्त ओडीओपी को प्रोजेक्ट और शोध पत्र में भी शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संस्थानों में ओडीओपी पीठ की स्थापना की जा सकती है, जो कि इससे जुड़े उत्पाद की जानकारी के लिए एक सूत्रीय बिंदु साबित होगी। इसके अतिरिक्त ओडीओपी का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी सृजित किया जा सकता है।

बैठक में आईआईटी बीएचयू के प्रतिनिधि ने ओडीओपी उत्पादों की ब्रांडिंग की जानकारी दी। इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि ने भी प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने काला नमक चावल को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। बैठक में आईआईटी कानपुर, मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी प्रयागराज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी रायबरेली, आईआईएम नोएडा सहित अन्य संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।